RNI NO. RAJHIN/2013/50649

pktimesnews.com PK Times News thepktimesofficial pk_timesofficial

PK टाइम्स

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

अपने आप की तुलना किसी से मत करो, यदि आप ऐसा कर रहे है तो आप स्वयं अपनी बेइज्जती कर रहे है
- बिल गेट्स

वर्ष - 12 | अंक - 267 | मूल्य - 1 रुपए | राजस्थान | शनिवार, 11 अप्रैल, 2026

728 किमी का सफर; नर्मदा का नीर पहुंचा अब देश के आखिरी गांव सुंदरा !

1345 वर्ग किलोमीटर में फैले इस गांव का जीवन रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों से जुड़ा रहा, अब बदली जिंदगी की धारा

मनोहरसिंह खोखर
जयपुर

राजस्थान के बाड़मेर जिले की भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसा आखिरी सुंदरा गांव एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना है। आजादी के बाद पहली बार इस दूरस्थ रेगिस्तानी गांव के हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुँचा है। यह केवल पानी की आपूर्ति नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही कठिनाइयों पर जीत और नई उम्मीदों की शुरूआत है। सन1734 में स्थापित सुंदरा कभी क्षेत्रफल की दृष्टि से देश की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत माना जाता था। लगभग 1345 वर्ग किलोमीटर में फैले इस गांव का जीवन हमेशा से रेगिस्तान की कठिन परिस्थितियों से जुड़ा रहा है। बाड़मेर मुख्यालय से करीब 170 किलोमीटर दूर बसे इस गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। यहाँ का भूजल इतना खारा था कि इंसानों के साथ-साथ पशु भी उसे पीने से कतराते थे। सरकार द्वारा लगाए गए ट्यूबवेल भी बेकार साबित हुए। मजबूरी में लोगों को 15 से 20 किलोमीटर दूर अन्य गाँवों से पानी ढोकर लाना पड़ता था।

करीब 513 करोड़ रुपये की यह योजना

इस योजना में 200 से अधिक गांवो तक पानी पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया। 16 बड़े जल संग्रहण केंद्र (CWR) बनाए गए। कई पम्पिंग स्टेशन स्थापित किए गए तथा 80 से अधिक एलिवेटेड सर्विस रिजर्वायर तैयार किए गए। रेत के ऊँचे-ऊँचे टीलों को काटकर पाइपलाइन बिछाना, बिजली की कमी और सीमा क्षेत्र में सुरक्षा प्रतिबंधकृइन सभी बाधाओं को पार करते हुए यह परियोजना पूरी की गई।

अब पूरा हुआ सपना

सुंदरा के लोगों के लिए यह बदलाव किसी चमत्कार से कम नहीं है। 80 वर्षीय महिलाओं ने पहली बार अपने घर के सामने मीठे पानी का नल देखा। दशकों तक खारा पानी पीने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ाकृदाँत पीले होना, हड्डियाँ कमजोर होना और समय से पहले बुढ़ापा आम बात थी। गाँव की महिलाओं को रोजाना कई किलोमीटर दूर पानी लाने की मजबूरी से अब मुक्ति मिल गई है। अब न सिर्फ समय की बचत होगी, बल्कि स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

युद्ध और विस्थापन की पीड़ा

भारत-पाकिस्तान युद्ध 1965 और भारत-पाकिस्तान युद्ध 1971 के दौरान इस सीमा क्षेत्र के गाँव को खाली करवा दिया गया था। ऐसे में सुंदरा के लोगों ने न सिर्फ प्राकृतिक कठिनाइयों, बल्कि ऐतिहासिक चुनौतियों का भी सामना किया।

अब पहुंचा नर्मदा का नीर

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या-पेयजल-का समाधान बना नर्मदा नहर आधारित पेयजल परियोजना। सरदार सरोवर बांध से शुरू होकर नर्मदा का पानी 728 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर सुंदरा तक पहुँचा।

कठिन इलाकों में भी बदलाव संभव

आज सुंदरा गाँव में नल से बहता पानी सिर्फ प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि विकास, सम्मान और बेहतर जीवन का प्रतीक बन चुका है। यह कहानी बताती है कि सही योजना, दृढ़ संकल्प और तकनीकी प्रयासों से देश के सबसे कठिन इलाकों में भी बदलाव संभव है।

बंगाल में भाजपा का वादा महिलाओं को 3 हजार महीना

6 महीने में UCC लागू होगा, ममता बोलीं- सांप पर भरोसा करना, BJP पर नहीं

लोक टुडे। जयपुर

भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी भरोसे का पत्र जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में वउउ लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्र जारी करते हुए कहा बंगाल की जनता के लिए पिछले 15 साल बुरे सपने के जैसे रहे हैं। ममता घुसपैठियों के जरिए तीसरी बार उट बनीं हैं। हम घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करेंगे। राज्य में दो फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। रिजल्ट 4 मई को आएगा। इधर, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने यहां कहा- सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन इखढ पर नहीं। भाजपा असम चुनाव के लिए बाहर से लोगों को लेकर आई, उसे राज्य के निवासियों के वोटों से जीत का भरोसा नहीं था।

सुबोध अग्रवाल 3 दिन की रिमांड पर

लोक टुडे। जयपुर

जल जीवन मिशन (JJM) घोटाले के मामले में शुक्रवार को पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल को एसीबी कोर्ट ने 3 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। एसीबी ने कोर्ट में 5 दिन की रिमांड मांगी थी। पेशी से पहले सरेंडर के सवाल पर सुबोध अग्रवाल ने कहा- न सरेंडर किया है और न ही लेकर आए। मैं अपनी इच्छा से कॉपरेट

(सहयोग) करने के लिए आया हूं। वहीं, सुनवाई के दौरान एसीबी अधियारियों ने कोर्ट में कहा कि बड़े स्तर पर फजीर्वाड़ा और पैसे का लेनदेन है। इन सभी की जांच के लिए पूछताछ का समय चाहिए। वहीं, सुबोध अग्रवाल के वकीलों ने सुनवाई के दौरान कहा कि गिरफ्तारी के कारणों से अभियुक्त को अवगत नहीं करवाया गया। मामला लंबे समय से लंबित है। अब गिरफ्तारी की क्या आवश्यकता थी। न अभियुक्त और न वकील को गिरफ्तारी के कारण बताए गए।

क्या है मामला : दरअसल, एसीबी अधिकारियों ने गुरुवार को नई दिल्ली से पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल को हिरासत में लिया था। जयपुर लाकर उनकी गिरफ्तारी की गई थी। पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी और पद के दुरुपयोग के आरोप हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा; घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे

सुप्रीम कोर्ट की जांच में दोषी, संसद में महाभियोग प्रस्ताव

लोक टुडे। जयपुर

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है। 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित सरकारी घर में आग लगने के दौरान 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। मामले की जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था। जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को इस्तीफा भेजा था, लेकिन न्यूज एजेंसी ने अगले दिन, यानी 10 अप्रैल को इसकी जानकारी दी।

इस्तीफे में लिखा - गहरे दुख के साथ पद छोड़ रहा :

जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है - मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे

यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।

महाभियोग प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी :

जस्टिस वर्मा के घर से कैश बरामदगी के बाद उनके खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने इसे चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा था कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोकसभा स्पीकर के पास जांच का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। लेकिन जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है कि वह जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित कर सकें, भले ही राज्यसभा में ऐसा प्रस्ताव खारिज हो चुका हो। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को फैसला सुरक्षित रखा था। लेकिन कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने से मना कर दिया था।

ईरान ने अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

लोक टुडे। एजेंसी

ईरान ने पाकिस्तान में होने वाली सीजफायर डील में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार ईरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं हो जाता वह बातचीत नहीं करेगा। इससे पहले अमेरिकी वेबसाइट वॉल स्ट्रीट जनरल ने खबर दी थी कि ईरानी डेलिगेशन गुरुवार शाम पाकिस्तान पहुंच गया है। इसमें संसद अध्यक्ष गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची शामिल हैं। हालांकि फार्स न्यूज ने इसे फेक बताया। इससे पहले 7 अप्रैल को अमेरिका और ईरान 2 सप्ताह के सीजफायर पर सहमत हुए थे। यह भी तय हुआ था कि दोनों देशों के नेता पाकिस्तान में मीटिंग के लिए मिलेंगे। बातचीत शनिवार को इस्लामाबाद में होनी है। इसके लिए अमेरिकी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंचेगा।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

02

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, शनिवार, 11 अप्रैल, 2026

सोते हुए मजदूरों पर चढ़ा बेकाबू ट्रेलर 2 बच्चियों समेत तीन की दर्दनाक मौत

झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी थाना क्षेत्र के नंगली निर्वाण गांव की घटना, 3 मासूम बच्चों की हालत नाजुक

लोक टुडे। झुंझुनूं

झुंझुनूं जिले से एक रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है। गुढ़ागौड़जी थाना क्षेत्र के नंगली निर्वाण गांव में एक अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे तंबू लगाकर सो रहे मजदूरों को कुचल दिया। बता दें कि इस भीषण हादसे में तीन युवतियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन मासूम बच्चों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में एक 22 साल की युवती (शादीशुदा), जबकि दो नाबालिग लड़कियां हैं, जिनकी उम्र 13 साल बताई जा रही है।

आक्रोशित परिजनों का प्रदर्शन और मुआवजे की मांग

हादसे की खबर फैलते ही इलाके में भारी तनाव फैल गया। अपनों को खोने के गम और व्यवस्था के खिलाफ गुस्से में डूबे परिजनों और ग्रामीणों ने गुढ़ागौड़जी थाने का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर जाम लगाकर न्याय और उचित मुआवजे की मांग की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने मौके पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया है। गुढ़ा, उदयपुरवाटी, गोठड़ा थाने की पुलिस सहित झुंझुनूं पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल बुलाया गया। नवलगढ़ डीएसपी खुद मौके पर मौजूद रहकर स्थिति को नियंत्रित करने और परिजनों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने मुन्नाराम की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी चालक को हिरासत में लेकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है। प्रशासन द्वारा मृतकों के पोस्टमॉर्टम और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

नींद में ही टूट पड़ा काल का कहर

जानकारी के अनुसार टोडी और बिजौली क्षेत्र के भोपा समाज के कुछ परिवार नंगली निर्वाण गांव में आए हुए थे। ये लोग यहां खेतों में प्याज की फसल की कटाई का काम कर रहे थे। दिनभर की कड़ी मेहनत के बाद थकान मिटाने के लिए सभी मजदूर सड़क से दूर अपने तंबुओं में सो रहे थे। तभी गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और सीधे उन तंबुओं में जा घुसा जहां मजदूर सो रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तंबू में सो रहे लोगों को संभलने या भागने का मौका तक नहीं मिला। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक मंजर तबाही में बदल चुका था। हादसे में प्रियंका पुत्री मुन्नारामडोड्डी व मोहिनी पुत्री सुरेश बिजौली की मौके पर मौत हो गयी तथा छोटकी पत्नी सुरेश बिजौली ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

क्राइमफाइल्स

पाली में मां और दो बेटों ने किया सुसाइड

लोक टुडे। पाली

पाली की पॉश कॉलोनी में मां और दो बेटों ने सुसाइड कर लिया। बड़े बेटे नरपत लाल (34) की बॉडी पंखे से लटकी थी। मां शांति देवी (59) और छोटा बेटा रघुवीर (26) फर्श पर पड़े थे। सबसे पहले नरपत के मौसेरे भाई लक्ष्मण ने उनके शव को देखा था। वही पुलिस लेकर घर के अंदर पहुंचा था। उसने बताया 8 अप्रैल ही बात हुई थी। तब नरपत ने कहा था कि मेरे शरीर पर घाव हो रहे हैं। उनमें मवाद भर रहा है। मुझे हॉस्पिटल ले चलना। इसके बाद सीधे उनकी लाश मिली। करीब 2 साल पहले उनके पिता की भी हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। अब पूरा परिवार ही खत्म हो गया। वहीं नरपत के दोस्त और पड़ोसी ने कहा- मुझे भी अस्पताल ले जाने की बात कही थी और कहा था कि शाम को आना। फोन मत करना, सीधे दरवाजा खटखटाना। मैं जा नहीं सका और अगले दिन तीनों की लाश मिली। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला है। इसमें बीमारी से डिप्रेशन में आकर सुसाइड करने की बात लिखी है। पुलिस फिलहाल सुसाइड और अन्य एंगल से भी जांच कर रही है।

जीरे की खड़ी फसल पर किसान ने चला दिया ट्रैक्टर

लोक टुडे। जोधपुर

जोधपुर और फलोदी में करीब सप्ताहभर रुक-रुककर हुई बारिश से रबी की फसल में बड़े स्तर पर खराबा हुआ है। खेतों में कटी पड़ी फसलें पानी में डूब गईं। कई जगह खड़ी फसलें गिर गईं। किसी किसान ने बैंक से तो किसी ने साहूकार से कर्ज लेकर खेती में पैसा लगाया था। किसानों को उम्मीद थी कि इस बार फसल अच्छी होगी तो बैंक और साहूकारों का कर्ज लौटा देंगे। लेकिन बेमौसम बारिश और कई इलाकों में हुई ओलावृष्टि ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अब किसानों के सामने आजीविका का संकट तक खड़ा हो गया है।

200 किलोमीटर दूर से आकर खेती करते हैं : फलोदी के नौसर के किसान श्रवण ने बताया कि हम पिछले 10 साल से पीपाड़ (जोधपुर) से करीब 200 किलोमीटर दूर यहां आकर खेती कर रहे हैं। खेत के मालिक से 40 बीघा जमीन बंटाई पर लेकर जीरा, गेहूं और चना की फसल बोई। अब बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि से फसल खराब होने के कारण मजदूरी का पैसा भी घर से देना पड़ रहा है। इससे परिवार का पालन पोषण करना भी कठिन हो गया और बच्चों की पढ़ाई चुनौती बन गई। श्रवण के अनुसार उन पर करीब 4 लाख रुपए का कर्ज है। उन्हें उपज में से एक चौथाई हिस्सा मिलता है। बाकी तीन चौथाई हिस्साा खेत मालिक को देना होता है। परिवार 6 महीने से बेहतर फसल की उम्मीद में मेहनत कर रहा था, लेकिन बरसात ने अरमानों पर पानी फेर दिया। उन्होंने 10 बीघा में जीरे की फसल बोई थी, जो पूरी तरह खराब हो गई। जिस पर उन्होंने अब ट्रैक्टर चला दिया, क्योंकि बची हुई फसल में मजदूरी भी नहीं निकाल पाती। श्रवण के अनुसार 40 बीघा में लागत लगभग ढाई लाख रुपए आई और मुश्किल से अब 50 हजार रुपए की फसल बची है।

किस फसल को कितना नुकसान : जोधपुर और फलोदी की प्रमुख नकदी फसल जीरा है। इस बार किसानों ने 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जीरे की फसल बोई थी। इसमें से 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फसल बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। ओसियां, तिंवरी, लोहावट, नौसर और आसपास के क्षेत्रों में पिछेती जीरे की फसल में ज्यादा खराबा हुआ है। कई किसानों का कटा हुआ जीरा भी खेतों में भीगकर खराब हो गया है। इस फसल में 50% से 70% तक नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

रणथंभौर में टूरिस्ट की गाड़ियों ने टाइगर का रास्ता रोका

3 गाइड की रिजर्व में एंट्री बैन, बाघ को मूवमेंट में आई परेशानी

लोक टुडे। रणथंभौर

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में सफारी के दौरान बाघ का रास्ता रोकने का मामला सामने आया है। जोन-3 में पर्यटकों को लेकर निकली गाड़ियां टाइगर के दोनों तरफ खड़ी हो गईं, जिससे टाइगर को निकलने का रास्ता नहीं मिला। वीडियो सामने आने पर वन विभाग ने तीन ड्राइवरों और तीन नेचर गाइड की टाइगर रिवर्ज में एंट्री पर रोक लगा दी। दरअसल, 2 अप्रैल की शाम पर्यटक सफारी के लिए जंगल में गए थे। इसी दौरान जोन नंबर-3 में टाइगर नजर आया था।

अगले आदेश तक एंट्री पर बैन : मामले की जांच के बाद वन विभाग ने ड्राइवर मुरारी लाल मीणा, महेंद्र माली, तेजराज सिंह और नेचर गाइड प्रफुल्ल पाराशर, हंसराज गुर्जर और सैयद इरशाद पर कार्रवाई की। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के पर्यटन डीएफओ संजीव शर्मा ने आदेश जारी किए कि ये सभी अगले आदेश तक सफारी में शामिल नहीं हो सकेंगे।

वाटर वर्क्स के टैंक में गिरे 2 मासूम, मौत

लोक टुडे। श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर में गुरुवार शाम को वाटर वर्क्स की डिग्गी में डूबने से 2 बच्चों की मौत हो गई। दोनों मासूम वाटर वर्क्स की डिग्गी के पास खेल रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों डिग्गी में गिर गए। घटना गुरुवार शाम के करीब 6:30 बजे ठंडी गांव में हुई। मृतक बच्चों की पहचान दिव्यांशु (10) व राघव (10) निवासी ठंडी, रायसिंहनगर (श्रीगंगानगर) के रूप में हुई। दोनों बच्चे पड़ोसी है। घटना के सूचना पर रायसिंहनगर थाना पुलिस

मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

डिग्गी में ही हुई मौत : ट्रेनी आरपीएस प्रियंका ने बताया- गुरुवार शाम को करीब 6:30 बजे सूचना मिली थी कि गांव ठंडी में वाटर वर्क्स की डिग्गी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। लेकिन इससे पहले ही ग्रामीणों ने बच्चों को डिग्गी से बाहर निकाल लिया था लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

सीकर के SK हॉस्पिटल में संविदा कर्मियों का धरना

लोक टुडे। सीकर

सीकर में रङ मेडिकल कॉलेज के 55 नर्सिंग संविदाकर्मियों ने धरना शुरू कर दिया। संविदाकर्मियों ने बिना सूचना दिए ड्यूटी हटाने और कार्यरत संविदाकर्मियों की जगह नए कार्मिक लेने का आरोप लगाया है। संयुक्त संविदा कर्मचारी संघर्ष समिति के निकेंद्र सिंह ने बताया कि 2023-24 से 55 संविदा कर्मचारी बतौर नर्सिंग स्टाफ सीकर रङ मेडिकल कॉलेज से संबद्ध रङ अस्पताल और जनाना अस्पताल में ड्यूटी कर रहे थे। निकेंद्र सिंह ने बताया कि संविदाकर्मी के तौर पर काम कर रहे सभी नर्सिंग कर्मियों को हर साल 1 साल का एक्सटेंशन दिया जाता है। इस बार एक्सटेंशन का लेटर आने से पहले ही सीकर

मेडिकल कॉलेज के 55 नर्सिंग संविदा कर्मियों को ड्यूटी से हटा दिया गया। जबकि इसी योजना के तहत प्रदेश भर के अन्य मेडिकल कॉलेज में लगे संविदा कर्मी लगातार ड्यूटी कर रहे हैं। सिर्फ सीकर में बिना सूचना दिए 55 संविदा कर्मियों की ड्यूटी हटा दी गई। संविदा कर्मियों का कहना है कि जब तक सभी 55 नर्सिंग संविदा कर्मी की बहाल नहीं किया जात, तब तक धरना जारी रहेगा। नर्सिंग संविदाकर्मियों की मांग है कि सीकर मेडिकल कॉलेज में कार्यरत संविदाकर्मियों को बहाल किया जाए। धरना दे रहे संघर्ष समिति के सदस्यों ने सीकर जिले के जनप्रतिनिधियों को मांग पत्र सौंपने भी शुरू कर दिए हैं। वहीं, दूसरी ओर सीकर रङ अस्पताल के नर्सिंग कर्मचारी भी धरनार्थियों को समर्थन देने पर विचार कर रहे हैं। धरना देने वालों में सुरेंद्र सिंह, जुगल किशोर, मनीषा मुंडेल, सुमन देवी, दिनेश समेत सभी नर्सिंग संविदाकर्मी शामिल हैं।

नागौर में वकीलों ने भूखंड आरक्षित करने की मांग

लोक टुडे। नागौर

नागौर में वकील संघ ने आवास के लिए कलेक्टर को ज्ञापन देकर अहीछत्रपुर योजना में भूखंड आरक्षित करने की मांग की। संघ ने 1000 भूखंडों में से 200 से 250 भूखंड वकीलों के लिए रखने की बात कही। वहीं दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक रोशन मीना ने कबड्डी प्रतियोगिता में घायल महिला कांस्टेबल को 10 हजार रुपये की सहायता दी। दोनों मामलों में अलग-अलग स्तर पर सहयोग और मांग सामने आई है। वकील संघ ने बालवा रोड स्थित अहीछत्रपुर आवासीय योजना में भूखंड आरक्षण की मांग की। योजना में करीब 1000 भूखंड लॉटरी से दिए जाने हैं। संघ का कहना है कि इनमें से 200 से 250 भूखंड अधिवक्ताओं के लिए तय किए जाएं। संघ अध्यक्ष डॉ पवन श्रीमाली ने बताया कि वकालत शुरू करने के बाद लंबे समय तक आय तय नहीं रहती। नागौर में करीब 800 अधिवक्ता काम कर रहे हैं

बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला पिता को 5 साल की जेल

लोक टुडे। भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला करने पर पिता को कोर्ट ने 5 साल जेल की सजा सुनाई है। वहीं 50 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। साल 2015 में पेड़ काटने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। गुस्से में पिता ने बेटे की गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। लोक अभियोजन अधिकारी अनुराग आचार्य के अनुसार बीगोद थाना क्षेत्र के खटवाड़ा गांव में आरोपी सतीशकुमार शर्मा अपनी पुश्तैनी संपत्ति पर उगे बबूल के पेड़ को काट रहा था। इसी दौरान उसका बेटा रमेश वहां पहुंचा और पेड़ काटने से मना करने लगा। विवाद बढ़ने पर गुस्से में सतीश ने कुल्हाड़ी से बेटे रमेश की गर्दन पर वार कर दिया। हमले के बाद घायल रमेश को पहले बीगोद ले जाया गया, जहां से उसे भीलवाड़ा रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर बाद में उसे उदयपुर भेजा गया, जहां उसका इलाज किया गया। मामले में बीगोद पुलिस ने जांच के बाद चालान पेश किया। कोर्ट में अभियोजन पक्ष ने 12 साक्ष्य और 11 दस्तावेज पेश किए, जिनके आधार पर आरोपी का जुर्म साबित हुआ। एडीजे संख्या 3 भीलवाड़ा (शिविर मांडलगढ़) के न्यायाधीश अमित कुमार ने आरोपी को दोषी मानते हुए 5 साल की जेल और 50 हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

03

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, शनिवार, 11 अप्रैल, 2026

5 साल में 57 किमी का होगा जयपुर में मेट्रो रूट, दो स्टेशन भूमिगत बनेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा-जयपुर के प्रमुख मार्गों पर विकसित होगा मेट्रो नेटवर्क, आवागमन होगा सुगम

लोक टुडे। जयपुर

राजधानी जयपुर में अगले पांच वर्ष में मेट्रो का दायरा बढ़कर 57 किमी का हो जाएगा। राज्य सरकार ने 42.80 किमी की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाकर केंद्र सरकार को भेजी थी, लेकिन 1.8 किमी के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया। ऐसे में 41 किमी लम्बे रूट को हरी झंडी मिल गई। वर्ष 2031 तक जयपुर मेट्रो का कुल रूट करीब 57 किमी तक पहुंचाने की योजना है। इससे शहर के प्रमुख आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों को सीधा जुड़ाव मिलेगा और यातायात दबाव में बड़ी राहत की उम्मीद है। जयपुर मेट्रो फेज-2 में प्रस्तावित 36 में दो स्टेशन (सांगोनर और जयपुर एयरपोर्ट) भूमिगत बनाए जाएंगे। शेष स्टेशन एलिवेटेड होंगे। वहीं, खासाकोठी पर फेज-1 पर स्टेशन विकसित किया जाएगा। फेज-2 में प्रस्तावित स्टेशन को जोड़ा जाएगा। गर्वनमेंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच 1800 मीटर की कनेक्टिंग (स्पर लाइन) लाइन को केंद्र ने मंजूरी नहीं दी है। **फेज-1 सी और डी** बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर (2.85 किमी), मानसरोवर से 200 फीट बाइपास तक (1.35 किमी) का काम चल रहा है। मेट्रो अधिकारियों की मानें तो अगले दो वर्ष में इनका संचालन शुरू हो जाएगा।

फेज-2 : प्रह्लादपुरा से टोडी मोड़ 41 किमी के इस प्रोजेक्ट से शहर क उत्तर-दक्षिण हिस्से जुड़ जाएंगे।

ये तीन बड़ी चुनौतियां

भूमि अधिग्रहण : घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जमीन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

यातायात प्रबंधन: टोंक रोड पर यातायात का भारी दबाव रहता है। निर्माण के दौरान मुख्य मार्गों पर जाम और डायवर्जन की समस्या बढ़ सकती है।

यूटिलिटी शिफ्टिंग: पानी, बिजली, सीवर लाइन जैसी सुविधाओं को शिफ्ट करने में देरी से काम प्रभावित हो सकता है।

जयपुर के प्रमुख मार्गों पर विकसित होगा मेट्रो नेटवर्क

जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण का काम जल्द शुरू होगा। इसके संकेत गुरुवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठक के दौरान शहर के यातायात प्रबंधन और सुधार को लेकर चर्चा की। जनसंख्या घनत्व और ट्रैफिक के दबाव को ध्यान में रखते हुए भविष्य में दिल्ली रोड और सीकर रोड सहित अन्य प्रमुख मार्गों की दिशा में मेट्रो विस्तार की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। वैशाली नगर और जगतपुरा को जोड़ने वाले रूट को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तेजी से काम करने के निर्देश दिए। मेट्रो की ओर से बगराना (आगरा रोड), हीरापुरा बस टर्मिनल तक मेट्रो के मास्टर प्लान का प्रस्तुतीकरण दिया गया। फेज-2 के पैकेज-1 (प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक) का कार्यदिश जल्द जारी करने निर्देश दिए।

इन पर करना होगा तेजी से काम

जेएलएन मार्ग पर यातायात प्रबंधन का प्रभावी प्लान बने। द्रव्यवती एलिवेटेड कॉरिडोर की डीपीआर शीघ्र तैयार कराई हो। महल रोड, सीकर रोड और न्यू सांगानेर रोड को सिग्नल फ्री बनाने का काम जल्द शुरू होगा। रामबाग

चौराहे जैसी फ्री-लेफ्ट टर्न व्यवस्था अन्य मार्गों और प्रमुख चौराहों पर भी लागू किया होगी।

क्राइमफाइल्स

बीकानेर में आढ़त व्यापारी के स्टाफ से 4.5-लाख छीने

लोक टुडे। बीकानेर

बीछवाल थाना क्षेत्र स्थित अनाज मंडी में शुक्रवार को दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई। कच्ची आढ़त मंडी की दुकान नंबर 13 पर संचालित फर्म बृजमोहन बृजवल्लभ के मुनीम दुलाराम से बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने नकदी से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

एसबीआई बैंक से रुपए निकालकर लौट रहे थे

पुलिस के अनुसार, मुनीम दुलाराम के साथ दुकान में कार्यरत एक पलदार मंडी स्थित एसबीआई बैंक से करीब 4.5 लाख रुपए निकालकर दुकान की ओर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में बिना नंबर की बाइक पर आए दो बदमाशों ने नकदी से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए संदिग्ध

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दो संदिग्ध बाइक सवार नजर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही बीछवाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

फर्म के मालिक नटवर करनाणी, व्यापारियों में रोष

बताया जा रहा है कि संबंधित फर्म कच्ची आढ़त का कार्य करती है और इसके मालिक नटवर करनाणी हैं। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से मंडी व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। व्यापारियों ने पुलिस से शीघ्र आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

खाना कहते समय चली गोलियां, 1 की मौत

लोक टुडे। लालसोट

लालसोट थाना क्षेत्र के जमात स्थित दयाल भोजनालय में शुक्रवार दोपहर खाना खाते समय दो गुटों के 2 युवकों के बीच झगड़ा हो गया। कहासुनी बढ़ने पर एक युवक ने दूसरे पर फायरिंग कर दी, जिससे धर्मेंद्र मीणा नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में युवक को जयपुर रेफर किया गया लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद सीपा ने बताया - आज दोपहर करीब 2 बजे जमात चौराहे के पास दयाल ढाबे पर यह लोग खाना खा रहे थे खाना खाने के दौरान दो युवकों में आपस में हॉक टॉक हो गई। उसके बाद ढाबे से बाहर आकर एक युवक को गोली मार दी, जिसे तुरंत लालसोट जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे हायर सेंटर जयपुर रेफर कर दिया गया, जहां खेड़ला निवासी धर्मेंद्र मीणा की उपचार के दौरान मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

एक ही जगह खाना खाया, फिर मारी गोली

जानकारी के अनुसार, दो गुटों के युवक, जिसमें एक ग्रुप में 5 और एक में 3 युवक शामिल थे। अलग-अलग बैठकर खाना खा रहे थे। इस दौरान दोनों गुटों के 2 युवकों में कहासुनी हुई। सभी खाना खा कर वहां से बाहर निकले। इस बीच एक गुट के लोग, जिसमें 5 युवक थे, कार में बैठकर निकले और जाते-जाते धर्मेंद्र मीणा पर फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद सीपा, डिप्टी एसपी दिलीप मीणा, सीआई पवन जाट सहित पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए टीमें गठित की गई हैं। घायल धर्मेंद्र को लालसोट जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया था। पीएमओ डॉ. राजकुमार सहारा ने बताया कि धर्मेंद्र पुत्र तेजाराम को गन शॉट इंजरी थी। उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे हायर सेंटर जयपुर रेफर कर दिया गया। जयपुर में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

SI भर्ती पर सरकार को चुनौती, ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स बोले-नार्को-पॉलीग्राफी टेस्ट कराने को तैयार

लोक टुडे। जयपुर

सब इंस्पेक्टर (एसआई भर्ती) भर्ती-2021 में चयनित ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स ने सरकार को नार्को और पॉलीग्राफी टेस्ट कराने की खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि वे इन परीक्षणों में असफल होते हैं तो उन्हें तुरंत बर्खास्त कर दिया जाए। साथ ही आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी उन्हें गलत तरीके से फंसाने की कोशिश कर रहे हैं और सच्चाई सामने आने से रोकना चाहते हैं। इन ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स ने अपने पेरेंट्स के जरिए सीएम भजनलाल को शपथ पत्र भेजकर कहा है कि हमारे बच्चे स्वेच्छा से नार्को एनालिसिस और पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए तैयार हैं। हम लिखित सहमति देते हैं कि इन परीक्षणों के परिणामों को ही उनकी बेगुनाही या दोष का अंतिम साक्ष्य माना जाए। उन्होंने कहा कि यदि वे इसमें असफल पाए जाते हैं, तो सरकार उन्हें तत्काल बर्खास्त कर उनकी निजी संपत्ति से संपूर्ण वेतन की वसूली करने के लिए स्वतंत्र है।

हमारी बलि देकर गलतियां छिपाना चाहते हैं अफसर :

शपथ पत्र में मुख्यमंत्री को कहा गया कि आपकी सरकार का स्पष्ट स्टैंड रहा है कि सेग्रीगेशन (पृथक्करण) संभव है और भर्ती में कोई महीना लीकेज नहीं हुआ है। इसके बावजूद, जांच एजेंसी (एसओजी) के कुछ अधिकारियों ने कोर्ट में भ्रामक रिपोर्ट्स पेश की। यह स्पष्ट रूप से सरकार की साख गिराने और निदोर्षों की बलि देकर अपनी पिछली गलतियों को छिपाने की एक सोची-समझी साजिश है।

अधिकारियों ने कोर्ट को किया गुमराह :

अभिभावकों ने अपने पत्र में कहा कि आपकी सरकार के दौरान पिछली सरकार की लगभग 19 संदिग्ध भर्तियों में से 17 भर्तियों की जांच चल रही है, लेकिन उनमें से एक भी रद्द नहीं किया गया है। फिर केवल सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2021 के मामले में ही अधिकारियों द्वारा कोर्ट को पृथक्करण असंभव है, कहकर गुमराह क्यों किया गया। यह भेदभावपूर्ण सामूहिक दंड 750 से ज्यादा परिवारों को बर्बाद करने वाला निर्णय है।

आपकी सरकार के नाम होगा कलंक :

अभिभावकों के जरिए ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स ने सीएम से कहा कि राजस्थान के इतिहास में आपकी छवि एक संवेदनशील जननायक की रही है, लेकिन यदि यह भर्ती रद्द होती है, तो इतिहास में आप पहले ऐसे मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज होंगे। जिनके कार्यकाल में 750 से ज्यादा निर्दोष परिवारों को सामूहिक सजा देकर बर्बाद किया गया। यह आपकी सरकार के नाम पर एक ऐसा 'कलंक' होगा कि 'दोषी बच गए और निर्दोष मारे गए। प्रशासनिक लापरवाहियों का खामियाजा उन ईमानदार युवाओं को भुगतना पड़ रहा है, जिन्होंने अपनी मेहनत से वर्दी पाई है।

सुप्रीम कोर्ट में कहा जाए- पृथक्करण संभव

अभिभावकों ने सरकार से मांग की है कि वह सुप्रीम कोर्ट में सरकार की ओर से सबसे अनुभवी वकीलों के माध्यम से मजबूत कानूनी पैरवी सुनिश्चित करें। कोर्ट को यह बताया जाए कि सेग्रीगेशन संभव है और अभ्यर्थी स्वयं वैज्ञानिक जांच के लिए तैयार हैं। जिससे हमारे 750 से ज्यादा परिवारों के जीवन को उजड़ने से बचाया जा सके।

एसआई भर्ती रद्द करने का फैसला रखा था बरकरार :

बता दें कि इस भर्ती को पेपरलीक और भारी अनियमितताओं के कारण हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 28 अगस्त 2025 को भर्ती को रद्द कर दिया था। वहीं खंडपीठ ने चयनित सब इंस्पेक्टर्स और सरकार की अपील को खारिज करते हुए 4 अप्रैल को एकलपीठ के भर्ती रद्द करने के फैसले को बरकरार रखा था।

एमडी ड्रग्स व स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

लोक टुडे। अजमेर

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर की रामगंज थाना पुलिस ने एक महिला को एमडी और स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से मादक पदार्थ बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रामगंज थाना प्रभारी डॉ. दीपेन्द्र सैनी के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। 9 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि सांसी बस्ती क्षेत्र में महिलाएं अवैध मादक पदार्थों की बिक्री कर रही हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम भगवानगंज स्थित यूआईटी क्वार्टर क्षेत्र में पहुंची, जहां एक महिला पुलिस को देखकर घबराकर दिशा बदलने लगी। शक के आधार पर महिला को रोककर नियमानुसार तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कपड़ों में छुपाकर रखी गई दो प्लास्टिक थैलियों में पाउडरनुमा पदार्थ मिला। पुलिस जांच में यह पदार्थ एमडी ड्रग्स और स्मैक पाया गया। वजन करने पर स्मैक 6.20 ग्राम और एमडी 7.61 ग्राम निकला। पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ जब्त कर लिया और पूरी कार्रवाई की वीडियो ग्राफी भी कराई।

महिला का बैकग्राउंड भी आपराधिक :

पुलिस ने आरोपी महिला प्रियंका नारावत (34) निवासी सांसी बस्ती भगवानगंज के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/21 और 8/22 में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला का आपराधिक बैकग्राउंड भी है। उसके पिता रामगंज थाने के और मां अलवर गेट थाने की हिस्ट्रीशीटर है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी महिला मादक पदार्थ कहां से लाती थी और इस अवैध कारोबार में कब से संलिप्त है।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

04

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, शनिवार, 11 अप्रैल, 2026

अतिक्रमण करने वालों के नाम और फोटो होंगे सार्वजनिक, गांव-गांव लगेंगे पोस्टर

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों में अवैध कब्जों को लेकर लिया फैसला

लोक टुडे। जयपुर

राजस्थान में पंचायती राज विभाग अब पूरी तरह 'एक्शन मोड' में आ गया है। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों में अवैध कब्जों को लेकर ऐतिहासिक और कड़ा फैसला लिया है। सरकार ने राज्य के लगभग 200 चिन्हित बड़े अतिक्रमणकारियों को 10 दिन का नोटिस थमाया है। यदि निर्धारित समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो सरकार न केवल पीला पंजा चलाएगी, बल्कि अतिक्रमणकारियों की फोटो उनके ही गांव में सार्वजनिक रूप से लगाकर उन्हें सार्वजनिक रूप से बेनकाब करेगी।

सामाजिक प्रतिष्ठा पर वार 'नाम और फोटो' होंगे सार्वजनिक :

मंत्री मदन दिलावर ने स्पष्ट किया है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करना एक अपराध है और अब अपराधियों को समाज के सामने लाने का वक्त आ गया है।

10 दिन का नोटिस : चिन्हित अतिक्रमणकारियों को अपना कब्जा हटाने के लिए 10 दिन की मोहलत दी गई है।

गांव में लगेंगे पोस्टर : नोटिस अवधि खत्म होने के बाद, यदि कब्जा बरकरार रहता है, तो संबंधित ग्राम पंचायत और गांव के मुख्य स्थानों पर अतिक्रमणकारी का नाम और उसकी फोटो चस्पा की जाएगी।

मकसद : सरकार का उद्देश्य अतिक्रमणकारियों के मन में कानून का डर पैदा करना और उन्हें सामाजिक रूप से हतोत्साहित करना है।

15 दिन में हो फाइलों का निपटारा

विभाग के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मदन दिलावर ने अधिकारियों की क्लास ली। उन्होंने विभाग में लंबित पत्रों और प्रकरणों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मंत्री कार्यालय से प्राप्त सभी पत्रों और जनसुनवाई के प्रकरणों का निस्तारण अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) रिपोर्ट भेजने या जवाब देने में देरी करेंगे, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने निर्देश दिए कि निस्तारण में केवल खानापूर्ति नहीं, बल्कि गुणवत्ता और पारदर्शिता होनी चाहिए।

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में मचेगा हड़कंप

यह पहली बार है जब राजस्थान में अतिक्रमणकारियों की फोटो गांव में चस्पा करने जैसा कड़ा फैसला लिया गया है। इससे पहले केवल बड़े अपराधियों या आर्थिक अपराधियों के साथ ऐसा देखा जाता था। जानकारों का मानना है कि इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों में सालों से चल रहे भूमि विवादों और अवैध कब्जों पर लगाम लगेगी।

'जीरो टॉलरेंस' नीति पर सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निदेशों के बाद पंचायती राज विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में चारागाह भूमि, रास्तों और सरकारी भवनों की जमीनों को मुक्त कराने का महाभियान शुरू किया है। मदन दिलावर ने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें और तय समयसीमा में परिणाम दें।

मॉनिटरिंग के लिए विशेष सेल

बैठक में लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग के लिए निर्देश दिए गए हैं। विभाग अब एक ऐसा सिस्टम विकसित कर रहा है जिससे जिला स्तर पर हो रही कार्रवाई की सीधी रिपोर्ट जयपुर मुख्यालय तक पहुंचेगी।

नगर-परिषद ने बाड़मेर कांग्रेस को दिया नोटिस

लोक टुडे। बाड़मेर

बाड़मेर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। नगर परिषद ने कांग्रेस कमेटी को नोटिस जारी कर दो घंटे में निर्माण कार्य हटाने की हिदायत दी है। अन्यथा ध्वस्त करने की चेतावनी दी है। इसे बाद मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी इकट्ठा हो गए। नोटिस में बताया कि 6 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया। इसके बाद लगातार निर्माण कार्य किया जा रहा है। इधर कांग्रेस बीते तीन दिनों से कार्यालय जमीन पर टेंट लगाकर बैठे हुए है। दरअसल, नगर परिषद ने कांग्रेस को 1999.90 वर्ग मीटर का पट्टा दिया है। लेकिन जमीन के पट्टे और मौके पर मौजूद स्थिति में जमीन के आकार में अंतर आ रहा है। वहीं ग्रामीणों का भी दावा है कि जमीन उनकी है। इस बीच शिकायतों के बाद मंगलवार को बाड़मेर तहसीलदार हुक्मीचंद के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक सुमेरदान, पटवारी रामाराम मय टीम ने मौका निरीक्षण किया। वहीं फिलहाल इसकी जाग यूआईटी सचिव को इसकी जांच दी गई है।

10,000 से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का लग सकता है होल्ड

डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए RBI ने रखा ये प्रस्ताव

लोक टुडे। जयपुर

जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए RBI ने ये प्रस्ताव रखा है। RBI का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता।

RBI के प्रस्ताव से जुड़ी 3 अन्य बड़ी बातें :

सीनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा - 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।

भरोसेमंद को 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकेंगे - अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी।

डिजिटल पेमेंट बंद करने के लिए 'किल स्विच - RBI ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा।

क्यों पड़ी इसकी जरूरत ?

पिछले साल देश में डिजिटल फ्रॉड के कारण होने वाला नुकसान 22 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। RBI के अनुसार 10 हजार रुपए से ऊपर के ट्रांजैक्शन कुल फ्रॉड केस का सिर्फ 45% हैं, लेकिन कुल फ्रॉड वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी 98.5% है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 हजार की लिमिट तय की गई है।

कब तक लागू हो सकता है नियम ?

RBI फिलहाल बैंकों और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के साथ मिलकर इसके तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर रहा है। इसमें मुख्य चुनौती यह है कि डिजिटल पेमेंट की 'रफ्तार' और 'सुरक्षा' के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ महीनों में इसके लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की जा सकती है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा।

पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर थाने का घेराव

2 घंटे तक हंगामे के बाद FIR दर्ज की, विवाहिता की मौत के बाद पति पर हत्या का है आरोप

लोक टुडे। उदयपुर

उदयपुर में विवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद पुलिस कार्रवाई से नाराज पीहर पक्ष ने थाने का घेराव किया। प्रतापनगर थाना इलाके के बेड़वास में 2 अप्रैल को विवाहिता की तबीयत बिगड़ने के बाद संदिग्ध मौत हुई थी। इसके बाद से पीहर पक्ष के लोग उसके पति और ससुराल के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। लगातार पुलिस के टालमटोल रवैये के बाद राजपूत समाज के संगठनों के

बैनर तले महिलाओं के साथ थाने के बाहर धरना देते हुए प्रदर्शन हुआ। करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन और गहमागहमी के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जल्द जाकर मामला शांत हुआ। इस प्रदर्शन में वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत समेत राजपूत करणी सेना और श्री राजपूत राष्ट्रीय करणी सेना के कई पदाधिकारी भी शामिल हुए। इस दौरान डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने परिजनों को समझाकर मामला शांत करवाया। भावना का पीहर वल्लभनगर क्षेत्र के मंदेरिया, दरौली गांव का रहने वाला है। भावना की 13 महीने पहले 2 फरवरी 2025 को बेड़वास के रहने वाले हेमेन्द्र सिंह से शादी हुई थी। निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया और कुछ दिनों का समय मांगा। इसके बाद

रणथंभौर में बनेगा नया सफारी पार्क ; वन विभाग ने मांगी जमीन

लोक टुडे। सवाईमाधोपुर

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बढ़ती बाघों की संख्या को देखते हुए एक नया सफारी पार्क विकसित किया जाएगा। इसके लिए वन विभाग ने आइओसी की जमीन को मांगा है। अगर सब कुछ ठीक रहा और अनुमति मिल जाती है तो पर्यटकों के लिए नया पार्क मिल सकेगा। हालाकि इसमें बूढ़े और घायल बाघों को रखा जा सकेगा। उनके बीच में संघर्ष के हालात भी पैदा नहीं होते हैं। ऐसे में रिजर्व से वंचित पर्यटकों के लिए यह पार्क वैकल्पिक हो सकेगा। रिजर्व में अभी बाघों की संख्या 76 से अधिक है। क्षमता से ज्यादा बाघों की मौजूदगी अब चुनौती बन गई है। प्रस्ताव है कि रणथंभौर से सटे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के बंद पड़े प्लांट की जमीन पर सफारी पार्क विकसित किया जाए। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने तीन माह पूर्व पेट्रोलियम मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था।

सफारी पार्क से मुख्य रिजर्व पर दबाव कम होगा :

जानकारी के अनुसार रणथंभौर टाइगर रिजर्व 1700 वर्ग किलोमीटर में फैला है। 2015 में वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की स्टडी में बताया गया था कि 50 बाघों तक रिजर्व सुरक्षित रहता है। लेकिन वर्तमान संख्या अधिक होने से टेरिटोरियल फाइट बढ़ रही है। इसी कारण 100 बीघा जमीन मांगी गई है। एनओसी मिलने के बाद नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी तय करेगी कि कितने बाघ यहां रखे जाएंगे। आईओसी प्लांट क्षेत्र चारों ओर आठ फीट ऊंची दीवार से घिरा है और वर्षों से बंद रहने के कारण यहां प्राकृतिक जंगल विकसित हो चुका है। प्रस्तावित पार्क में प्राकृतिक हैबिटेट जैसा माहौल रखा जाएगा। एनक्लोजर का आकार और संख्या मंजूरी के बाद तय होंगे।

घायल और बुजुर्ग बाघों की होगी विशेष देखभाल :

बाघों की बढ़ती संख्या के कारण कई बार वे जंगल से बाहर निकल जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। वन विभाग रेडियो कॉलर लगाकर उनकी निगरानी कर रहा है। हाल ही में टी-2407 बाघ को कॉलर लगाया गया है। इसके अलावा रणथंभौर-कैलादेवी और रामगढ़ विषधारी कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। अब तक 24 बाघों को रणथंभौर से सरिस्का, मुकुंदरा और रामगढ़ विषधारी में शिफ्ट किया जा चुका है। प्रस्तावित सफारी पार्क से घायल और बुजुर्ग बाघों की देखभाल बेहतर होगी और मुख्य रिजर्व पर दबाव कम होगा

जल्द ही विकसित होगा पार्क :

इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। जल्द ही सफारी पार्क विकसित कर वृद्ध बाघ बाघिनों को रखा जाएगा।

-मानस सिंह, उपवन संरक्षक रणथम्भौर।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)